भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1204

11 फरवरी, 2025 को उत्तरार्थ

विषयः- राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन

1204. श्री राजा राम सिंहः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन में ताड़ के तेल पर विशेष ध्यान दिए जाने और विशेषकर कम उत्पादकता वाले राज्यों में तिलहन की खेती में लघु और मध्यम स्तर के किसानों द्वारा उत्पादित तिलहनों को शामिल नहीं किए जाने के क्या कारण हैं:

(ख) क्या सरकार ने उक्त योजना को प्रोत्साहन देने के लिए अंडमान और निकोबार तथा उत्तर पूर्वी राज्यों का चयन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने जलस्तर, वनों की विविधता और जैव विविधता की कुशलता, जो समृद्ध जैव केंद्र हैं, के लिए ताड़ के तेल की खेती के खतरों को ध्यान में रखते हुए कोई पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) कराया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) खाद्य तेलों के उत्पादन में उनकी भूमिका को दर्शाते हुए इस मिशन में शामिल किए जाने वाले निजी क्षेत्र के हितधारकों के नाम और उनका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): सरकार ने देश में पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) प्रारंभ किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2024-25 से 2030-31 तक सात साल की अवधि में घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ-ओएस) को भी मंजूरी दे दी है। एनएमईओ-तिलहन का उद्देश्य प्रमुख प्राथमिक तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाना है, साथ ही द्वितीयक स्रोतों से संग्रह और निष्कर्षण दक्षता में वृद्धि करना है। मिशन विशेष रूप से छोटे, मध्यम और सीमांत किसानों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका उद्देश्य फ्रंटलाइन

प्रदर्शन, क्लस्टर फ्रंटलाइन प्रदर्शन और ब्लॉक-स्तरीय प्रदर्शन जैसी पहलों के माध्यम से अपनी तिलहन फसल की पैदावार में सुधार करना है, जिससे किसानों को अच्छी कृषि पद्धतियों और आवश्यक उत्पादन इनपुट तक पहुंच मिल सके। कुल मिलाकर इन मिशनों का उद्देश्य खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।

(ख) और (ग): आईसीएआर - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (आईआईओपीआर) की पुनर्मूल्यांकन समिति ने वर्ष 2020 में पूर्वोत्तर राज्यों और अंडमान और निकोबार के क्षेत्रों को पाम ऑयल की खेती के लिए उपयुक्त पाया है। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, मौसम और मिट्टी के मापदंडों जैसे वर्षा, न्यूनतम तापमान, निरंतर शुष्क मौसम की अवधि, मिट्टी की गहराई और ढलान (वर्षा सिंचित स्थितियों के लिए) और भूजल स्तर, वर्षा, न्यूनतम तापमान, दोहरी/तिहरी फसल वाले क्षेत्र (सिंचित स्थितियों के लिए) पर विचार किया गया था। पाम ऑयल की खेती पानी की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, क्योंकि इसमें केले, गन्ना और धान की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वरता प्रभावित नहीं होती है क्योंकि तेल पाम उच्च बायोमास का उत्पादन करता है, जो कचरे के पुनर्चक्रण को सक्षम बनाता है जो जैविक उर्वरकों के उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। मिशन के तहत, कम मूल्य वाली फसलों को बदलकर गैर-वन भूमि और कृषि भूमि पर तेल पाम की खेती की सख्ती से सिफारिश की जाती है। चूंकि फसल को वन क्षेत्रों में उगाने को बढ़ावा नहीं दिया जाता है, इसलिए जैव विविधता के नुकसान से संबंधित समस्याएं कम हो जाती हैं। इसके बदले, पॉम ऑयल की खेती हरित आवरण को बढ़ाने और कार्बन अवशोषण को बढ़ाने में योगदान करती है।

(घ): एनएमईओ-ओपी के तहत, प्रसंस्करणकर्ता, सहकारी समितियां, महासंघ, सरकारी मान्यता प्राप्त किसान संघों सहित निजी क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स को राज्य सरकारों के माध्यम से पाम ऑयल विकास में शामिल किया जा रहा है। वे गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री प्रदान करके और तकनीकी सहायता प्रदान करके किसानों का समर्थन करते हैं। वे ताजे फलों के गुच्छों (एफएफबी) की खरीद-वापसी भी सुनिश्चित करते हैं और एफएफबी के प्रसंस्करण के लिए प्रसंस्करण मिलें स्थापित करते हैं। राज्य से प्राप्त जानकारी के आधार पर निजी क्षेत्र के हितधारकों के नाम और विवरण **अनुबंध** पर दिए गए हैं ।

अनुबंध

श्री राजा राम सिंह द्वारा पूछे गए "राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन" के संबंध में दिनांक 11.02.2025 को लोक सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या - 1204 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित

क्र. सं.	कंपनी का नाम	राज्यों से जुड़े हुए
1.	गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा
2.	पतंजलि फूड्स लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा
3.	3एफ ऑयल पाम प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, कर्नाटक
4.	ए.पी. ऑयलफेड	आंध्र प्रदेश
5.	तेलंगाना राज्य सहकारी तिलहन उत्पादक संघ लिमिटेड	तेलंगाना
6.	ऑयल पाम इंडिया लिमिटेड	केरल
7.	केई कल्टीवेशन प्राइवेट लिमिटेड	असम
8.	कल्पवृक्ष ऑयल पाम प्रा. लिमिटेड	कर्नाटक
9.	प्री-यूनिक इंडिया लिमिटेड	ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात
10.	नवभारत कृषि उत्पाद	आंध्र प्रदेश
11.	अजंता सोया लिमिटेड,	आंध्र प्रदेश
12.	अम्मा पाम प्लांटेशन प्राइवेट लिमिटेड	छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश
13.	गोपाल कृष्ण पाम एक्सट्रैक्शन प्राइवेट लिमिटेड,	आंध्र प्रदेश
14.	इको पाम ऑयल एंड फैट्स प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
15.	केएसवी जोगेश्वरी पाम ऑयल इंडस्ट्री	आंध्र प्रदेश
16.	कार्षक महर्षि ऑयल्स प्रा. लिमिटेड	ओडिशा
17.	केएन बायोसाइंसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
18.	लक्ष्मी बालाजी ऑयल्स	आंध्र प्रदेश, ओडिशा
19.	वैदेही पाम प्राइवेट लिमिटेड	ओडिशा, तमिलनाडु
20.	लिवपाम रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
21.	लिविंग फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश

22.	लोहिया एडिबल ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
23.	एम11 इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	ओडिशा, आंध्र प्रदेश
24.	मैट्रिक्स पाम ऑयल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
25.	एमके एग्रो टेक प्राइवेट लिमिटेड	ओडिशा, आंध्र प्रदेश
26.	राधिका वेजिटेबल्स ऑयल्स	आंध्र प्रदेश
27.	रामचरण ऑयल इंडस्ट्रीज	तेलंगाना
28.	सर्वे साईं एडिबल ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, ओडिशा
29.	शांति ऑयलपाम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, (मेसर्स एग्रो को-ऑपरेटिव कॉर्प.)	आंध्र प्रदेश
30.	शिवसैस ऑयल पाम प्रा. लिमिटेड	असम, छत्तीसगढ़
31.	श्री श्रीनिवास पाम ऑयल मिल	आंध्र प्रदेश
32.	सुवेन एग्रो इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना
33.	तिरुमाला ऑयल केम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
34.	टुम्मालो एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, ओडिशा
35.	वैल्यू ऑयल एंड गैस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
36.	वैहान कॉफ़ी लिमिटेड	आंध्र प्रदेश
37.	विश्वतेज ऑयल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	तेलंगाना
38.	रिया एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	आंध्र प्रदेश
39.	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड.	आंध्र प्रदेश
40.	एएमआर एग्रो फार्म्स लिमिटेड.	आंध्र प्रदेश

*****